● सुनो, पढ़ो और गाओ :

९. सोई मेरी छौना रे !

– डॉ. श्रीप्रसाद

जन्म : ५ जनवरी १९३२, पारना, आगरा (उ.प्र.) **रचनाएँ :** 'खिड़की से सूरज', 'आ री', 'कोयल', 'गुड़िया की शादी', आदि ।
परिचय : आपने विपुल मात्रा में बाल साहित्य का सृजन किया है ।
प्रस्तुत कविता में लोरी के माध्यम से माँ का वात्सल्य भाव प्रकट किया गया है ।

जरा सोचो .... बताओ

* यदि सच में हमारे मामा का घर चाँद पर होता तो...

मेरा गेंद-खिलौना रे, सोई मेरी छौना रे !

झूला झूले सोने का,
झूले रेशम की डोरी ।
मीठे सपनों में खोई,
सुन-सुन परियों की लोरी ।
मेरा दीठ-दिठौना रे !
सोई मेरी छौना रे !

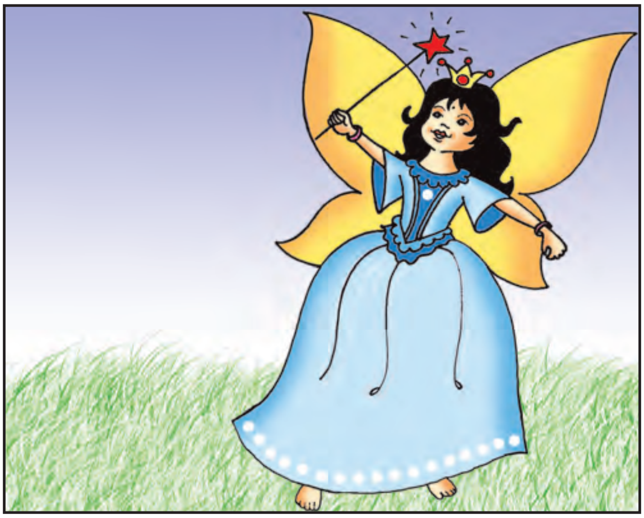

चाँद-सितारे जाग रहे,
नाच रही है चाँदनिया ।
फूल खिले हैं चाँदी के,
फूली मेरी आँगनिया ।
मेरा दीठ-दिठौना रे !
सोई मेरी छौना रे !

❑ विद्यार्थियों से लोरी गवाएँ और उसका अर्थ पूछें । इसमें आए संदर्भ समझाएँ और उसपर चर्चा करें । माता-पिता जी का महत्व पूछें और उन्हें अपने दादी जी/ नानी जी के गुणों को उजागर करने वाली कोई घटना बताने के लिए कहें । अन्य लोरी सुनाएँ और गवाएँ ।

खोजबीन

विभिन्न क्षेत्रों की 'प्रथम भारतीय महिलाओं' की सचित्र जानकारी कॉपी में चिपकाओ ।

मेरा सुख अनहोना रे,
सोई मेरी छौना रे !
गीत सुनाऊँ सोए तू,
तू सोए औ गाऊँ मैं ।
मेरा दीठ दिठौना रे !
सोई मेरी छौना रे !

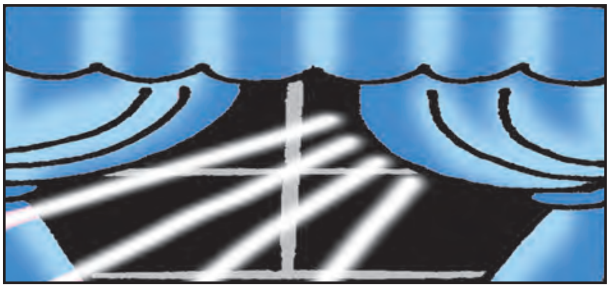

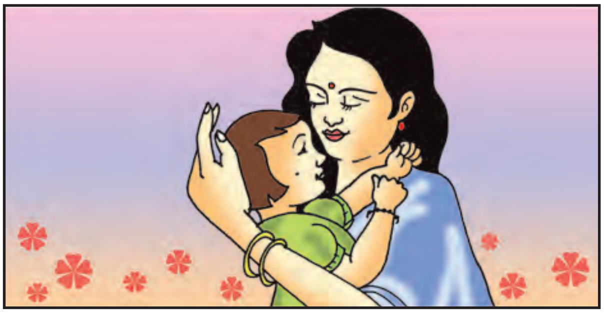

जागे, खेले, रूठे तू,
हँस-हँस तुझे मनाऊँ मैं ।
खिलौनों की दुनिया की
सैर तुझे करवाऊँ मैं ।
मेरी प्यारी सलोनी रे !
सोई मेरी छौना रे !

मैंने समझा

शब्द वाटिका

नए शब्द

सलोनी = सुंदर

छौना = नन्हा बच्चा

स्वयं अध्ययन

अपने परिवार के प्रिय व्यक्ति के लिए चार काव्य पंक्तियाँ लिखो ।

भाषा की ओर

हिंदी-मराठी के समोच्चारित शब्दों की अर्थ भिन्नता बताओ और लिखो ।

मराठी अर्थ	समोच्चारित शब्द	हिंदी अर्थ
	← कल →	
	← सही →	
	← खोल →	
	← आई →	
	← परत →	

सुनो तो जरा

नीतिपरक दोहे सुनो और आनंदपूर्वक सुनाओ ।

बताओ तो सही

माँ को एक दिन की छुट्‌टी दी जाए तो क्या होगा ?

वाचन जगत से

सुभद्राकुमारी चौहान की कविता पढ़ो और समूह में गाओ ।

मेरी कलम से

नियत विषय पर भाषण तैयार करो ।

* कविता की पंक्तियाँ पूरी करो ।

१. चाँद सितारे ....,
....................................।
....................................,
..........................आँगनिया ।

२. मेरा सुख ....,
....................................!
....................................,
.... गाऊँ मैं ।

सदैव ध्यान में रखो

जीवन में माँ का स्थान असाधारण है ।

विचार मंथन

।। जननी-जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी ।।

अध्ययन कौशल

अपने परिवार का वंश वृक्ष तैयार करो और रिश्ते-नातों के नाम लिखो ।

KKHZ1Z

जोड़ो हमें

*** पेड़ के पत्तों पर दिए गए वर्णों से संयुक्ताक्षरयुक्त शब्द बनाओ : (आधे होकर, पाई हटाकर, हल लगाकर, 'र' के प्रकार)**
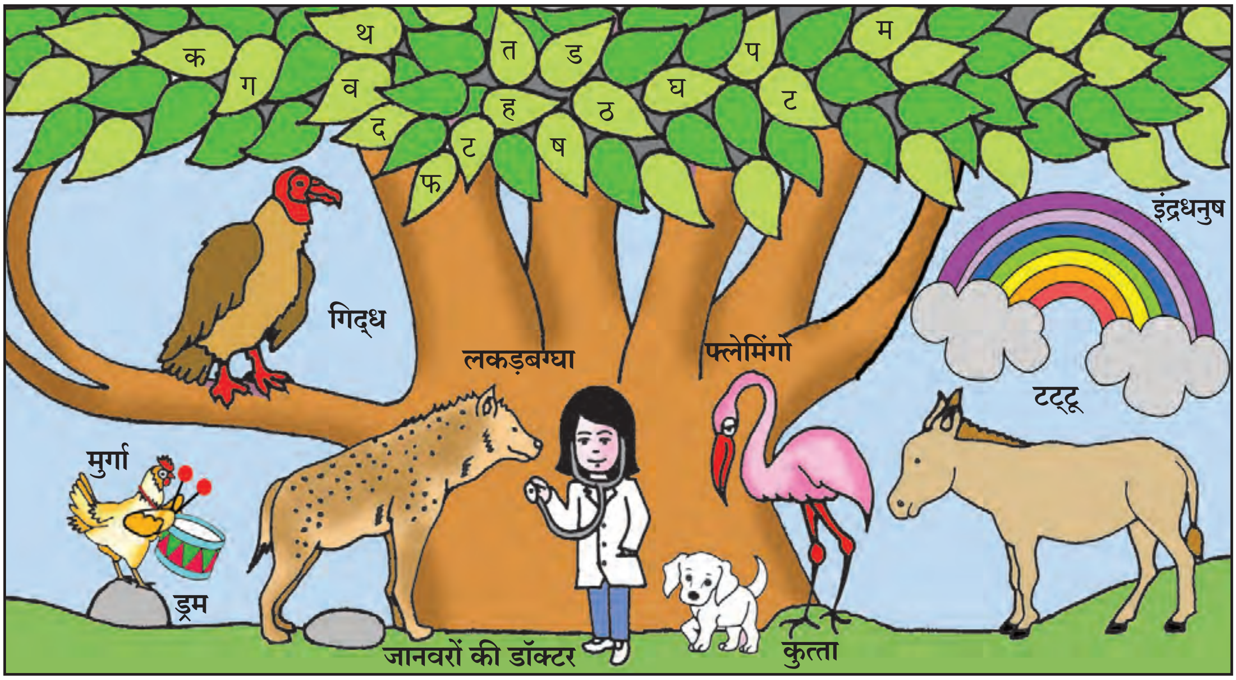
(क, फ, ग, त, थ, घ, ष, व, द, म, ह, ठ, ड, ट, प, र)